An occasional column on significant developments in the media world

By Ashok Mansukhani Advocate Bombay High Court. Specialist in Multi Media Law and Regulation/ Corporate Law and Regulation and Taxation.



# मीडियाबीट

मीडिया की दुनिया में महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक सामयिक स्तंभ

लेखकः अशोक मनसुखानी एडवोकेट बॉम्बे हाई कोर्ट मल्टी मीडिया कानून और रेग्यूलेशन /कॉरपोरेट कानून और रेग्यूलेशन और टैक्सेशन के विशेषज्ञ ।

# INDIAN MEDIA IN **DEEP FLUX**

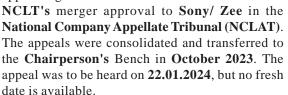
Consolidation of Indian media inevitable- will it lead to cartelisation is a potent worry.

## SONY AND ZEE MERGER DEAD IN THE WATER

The **National Company Law Tribunal** approved the merger of Zee Entertainment into Culver Max Pictures (Sony Entertainment) on October 3, 2023,

without any preconditions, after overruling stiff opposition from creditors of the founder Essel Group.

The creditors. **IDBI** Bank, Axis Finance, and **IDBI** Trusteeship, filed appeals against the



ZEE

- Typically, the final steps to consummate an approved company merger take 6-8 weeks. The delay in this case led to speculation on the compelling reasons that forced Sony to withdraw from a transformative merger with an estimated **\$10 billion** valuation.
- But calling off the merger on January 22, 2024,

# भारतीय मीडिया में लगातार बदलाव

मीडिया की दुनिया में महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर एक समसामियक कॉलम।

## ए. सोनी और जी का विलय पटरी से उतरा

 → नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने संस्थापक एस्सेल गुप के लेनदारों के कड़े विरोध को खारिज करने के बाद, बिना किसी पूर्व शर्त के **3 अक्टूबर 2023** को जी एंटरटेनमेंट के कल्वर

> मै क्स पिक्चर्स (सोनी एंटरटेनमेंट) में विलय को मंजूरी दे दी।

> लेनदारों, आईबीडीआई

बैंक. एक्सिस फाइनेंस और आईबीडीआई ट्रस्टीशिप ने सोनी /जी को एनसीएलटी की विलय मंजरी के खिलाफ राष्ट्रीय अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में अपील दायर की । अपीलों का

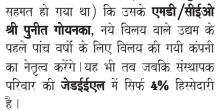
एकसाथ किया गया और अक्टूबर 2023 में अध्यक्ष की पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया। अपील पर 22.01.2024 को सुनवाई होनी थी, लेकिन कोई नयी तारीख उपलब्ध नहीं है।

- आमतौर पर किसी अनुमोदित कंपनी विलय को पूरा करने के अंतिम चरण में 6-8 सप्ताह लगते हैं। इस मामले में देरी के कारण उन बाध्यकारी कारणों पर अटकलबाजी शुरू हो गयी जिसके कारण सोनी को अनमानित 10 बिलियन डॉलर के मुल्यांकन के साथ एक **परिवर्तनकारी विलय** से पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा ।
- लेकिन 22 जनवरी 2024 को विलय रह करते हुए सोनी ने

**Sony said**, "The merger did not close by the end date as, among other things, the closing conditions were not satisfied by then."

- ◆ Zee stated that "all efforts and steps were taken by ZEEL [Zee] in line with the Merger Cooperation Agreement, approved by its shareholders and all regulatory authorities".
- ◆ A significant point of contention that led to the termination was that **ZEEL** had proposed (and
  - Sony had agreed initially) that its MD/CEO, Mr Punit Goenka, take the helm of the merged company for the first five years of the newly merged venture. This, too, even though the founder family has just a 4% stake in ZEEL.
- Sony started to express concerns over Mr. Goenka's leadership due to an investigation by the
  - Securities and Exchange Board of India (SEBI) into alleged fund diversions at ZEEL. Even though Mr Puneet Goenka was allowed to carry on as CEO/MD by the Securities Appellate Tribunal, Sony wanted him to step aside till investigations were complete, which led to irreversible friction.
- ◆ Sony initiated arbitration proceedings at the Singapore International Arbitration Centre (SIAC), claiming damages of USD 90 million from ZEEL for allegedly breaching the terms of the Merger Agreement.
- ◆ ZEEL filed a petition with the National Company Law Tribunal (NCLT) seeking to "enforce the merger" and contested Sony's claims in the SIAC arbitration. NCLT issued notice and will hear arguments on March 12, 2024.
- Meanwhile, the SIAC refused to restrain Zee from pursuing its remedies in NCLT. The arbitration proceedings at SIAC will proceed as planned in the ordinary course. Both legal proceedings, the NCLT case and the SIAC arbitration, are ongoing and independent of each other.
- ◆ Mr Puneet Goenka, MD/CEO of Zee Entertainment Limited (ZEEL), while speaking in the investor call on the release of Quarter 3 for December 31, 2023, results, said on February 13, 2024:

- कहा 'विलय अंतिम तिथि तक बंद नहीं हुआ क्योंकि अन्य बातों के अलावा तब तक समापन की शर्ते पूरी नहीं हुई थी।'
- ◆ जी ने कहा 'जेडईईएल (जी) द्वारा सभी प्रयास और कदम विलय सहयोगी समझौते के अनुरूप उठाये गये थे जिसे उसके शेयरधारकों और सभी नियामक अधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया था।'
- विवाद का एक महत्वपूर्ण विंदु जो समाप्ति का कारण बना वह यह
   था कि जेडईईएल ने प्रस्ताव दिया था कि (और सोनी शुरू में



◆ जेडईईएल में कथित फंड डायवर्जन की भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की जांच के कारण सोनी ने श्री गोयनका के नेतृत्व पर चिंता व्यक्त करना शुरू

कर दिया। हालांकि प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा श्री पुनीत गोयनका को सीईओ/एमडी के रूप में बने रहने की अनुमित दी गयी थी, सोनी चाहता था कि जांच पूरा होने तक उन्हें पद से हटना पड़े, जिसके चलते अपरिवर्तनीय संघर्ष का मुद्दा खड़ा हो गया।

- सोनी ने विलय समझौते के शर्तों के कथित उल्लंघन के लिए जेडईईएल से 90 मिलियन अमेरिकी डॉलर के हर्जाने का दावा करते हुए सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (एसआईएसी) में मध्यस्था कार्यवाही शुरू की।
- जेडईईएल ने 'विलय को लागू करने' की मांग करते हुए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में याचिका दायर की और एसआईएसी मध्यस्थता में सोनी के दावों का विरोध किया । एनसीएलटी ने नोटिस जारी किया और 12 मार्च 2024 को दलीले सुनेगा ।
- इस बीच एसआईएसी ने जी को एनसीएलटी में अपने उपाय अपनाने से रोकने से इंकार कर दिया । एसआईएसी में मध्यस्थता की कार्यवाही सामान्य प्रक्रिया में योजना के अनुसार आगे बढ़ेगी । दोनों कानूनी कार्यवाही, एनसीएलटी मामला और एसआईएसी मध्यस्थता, चल रही है और एक दूसरे से स्वतंत्र है ।
- जी एंटरटेनमेंट लिमिटेड (जेडईईएल) के एमडी/सीईओ श्री पुनीत गोयनका ने 31 दिसंबर 2023 की तीसरी तिमाही के नतीजों के जारी होने पर निवेशक कॉल में बोलते हुए 13 फरवरी 2024 को कहाः

'मैं निश्चित रूप चाहता था कि विलय लागू हो।इस

18 SATELLITE & CABLE TV MARCH 2024

MR PUNIT GOENKA

I certainly wanted the merger to be implemented. In line with this aspiration, we even took several steps towards divestment or closure of profitable businesses in the domestic and international markets. I offered several proposals and solutions to Sony to address their demands, but unfortunately, they were not accepted.

- ◆ Mr Hiroki Totoki, President CFO of Sony Japan, in an earnings call on February 14, 2024, said: "India, on a long-term basis, has a great growth potential. It is a very appealing market. Therefore, we will try to seek various opportunities.
- ◆ Meanwhile, Mr Puneet Goenka is focusing on repositioning ZEEL into a more profitable venture. In the earnings call, Mr Goenka unveiled a three-point strategic plan to revive ZEEL, stating: The first is frugality. The second is optimisation. Third, but most important, is a sharp focus on quality content.
- ◆ ZEEL is well-equipped for the future, with immense capabilities to identify and capture emerging opportunities in an evolving landscape. We are agile, with a strong entrepreneurial spirit, making us the best across the industry."

#### **COMMENT**

#### CORPORATE GOVERNANCE OVERHANG

- ♦ On the corporate governance level, **ZEEL** management has a giant overhang. SEBI has reportedly expanded its investigations. Fresh charges of accounting loopholes of Rs. 2000 crores were allegedly discovered by SEBI, which **ZEEL** denied as "rubbish."
- ◆ At the end of February 2024, media reports of the Ministry of Corporate Affairs were coordinating with SEBI to "verify charges of company law violations and lapses of corporate governance."
- ◆ In a statement issued on February 24, 2024, ZEEL claimed that "these reports indicate the vested interests of a third party." Significantly, ZEEL did not identify the third party.
- ♦ It further asserted that it has "maintained utmost

आकांक्षा के अनुरूप हमने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लाभदायक व्यवसायों के विनिवेश या उन्हें बंद करने की दिशा में भी कई कदम उठाये हैं। मैंने सोनी को उनकी मांगों को पूरा करने करने के लिए कई प्रस्ताव और समाधान पेश किये, लेकिन दुर्भाग्य से, उन्हें स्वीकार नहीं किया गया।

- सोनी, जापान के अध्यक्ष सीएफओ श्री हिरोकी टोटोकी ने 14 फरवरी 2024 को एक एर्निंग कॉल में कहाः 'दीर्घ कालिन आधार पर भारत में विकास की काफी संभावनायें हैं।यह एक बहुत ही आकर्षक बाजार हैं।इसलिए, हम विभिन्न अवसरों की तलाश करने की कोशिश करेंगे।'
  - ◆ इस बीच श्री पुनीत गोयनका, जेडईईएल को अधिक लाभदायक उद्यम में बदलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं । अर्निंग कॉल में, श्री गोयनका ने जेडईईएल को पुनर्जीवित करने के लिए तीन सूत्री रणनीतिक योजना का अनावरण किया, जिसमें से पहला है मितव्यता, दूसरा है अनुकूलन और तीसरा लेकिन सबसे महत्वपूर्ण गुणवर्ता पूर्ण सामगी पर सबसे अधिक ध्यान देना है।
  - ♦ जेडईईएल भिवष्य के लिए अच्छी तरह सुसिज्जित है, जिसमें उभरते पिरदृश्य में उभरते अवसरों को पहचानने और पकड़ने की अपार क्षमतायें हैं। हम मजबूत उद्यमशीलता की भावना के साथ चुस्त हैं जो हमें पूरे उद्योग में सर्वश्रेष्ठ बनाता है।

#### टिपणी

#### कॉरपोरेट गर्वनेंस ओवरहांग

- कॉरपोरेट गर्वेनेंस स्तर पर जेडईइएल प्रबंधन के पास एक विशाल कार्यभार है। सेवी ने कथित तौर अपनी जांच का विस्तार किया है। सेवी द्वारा कथित तौर पर 2000 करोड़ रूपये की लेखांकन खामियों के नये आरोप पाये गये, जिसे जेडईईएल ने 'बकवास' कहकर खारिज कर दिया।
- फरवरी 2024 के अंत में, कॉपीरेट मामलों के मंत्रालय की मीडिया रिपोर्ट 'कंपनी कानून के उल्लंघन और कॉपीरेट प्रशासन की खामियों के आरोपों को सत्यापित करने' के लिए सेबी के साथ समन्वय कर रही थीं।
- 24 फरवरी 2024 को जारी एक बयान में जेडईईएल ने दावा किया कि 'ये रिपॉटें किसी तीसरे पक्ष के निहित स्वार्थों का संकेत देती है।' गौरतलब है कि जेडईईएल ने तीसरे पक्ष की पहचान नहीं की है।
- इसने आगे दावा किया कि इसने 'कॉर्पोरेट प्रशासन के

standards of corporate governance and is guided by an experienced board (of directors)."

- ◆ To fight the constant negative news flow, ZEEL has announced the formation of an "independent advisory committee" headed by a retired High Court Judge to "curb erosion of investor wealth."
- ◆ An appeal by Mr Subhash Chandra, Chairman Emeritus, filed in Securities Appellate Tribunal in Appeal No 132/24 against the SEBI investigation into fund diversion and accounting irregularities was heard on February 26, 2024, wherein SEBI counsel accused him of not cooperating with the ongoing probe and levied serious oral allegations to the effect that he was "dodging summons" and the ongoing enquiry which Mr Chandra's counsel naturally denied. SEBI has been given ten days to file a written reply. The next date of the hearing is March 8, 2024.

#### **MUTUALLY BENEFICIAL MERGER DERAILED**

- ◆ Apart from the Corporate Governance issues dogging ZEEL, Sony has limited reach compared to Zee and Disney Star: Sony's television network
  - is smaller than its competitors, potentially limiting its audience reach. However, it enjoys a strong brand image associated with quality and innovation, attracting premium customers.
- ◆ It has strategic partnerships with international studios and production houses, providing access to diverse content. Since Sony relies heavily on acquiring content from other studios, it is less flexible in catering to specific audience preferences.
- On February 26 2024, Sony denied it was in talks to acquire a South Indian regional OTT platform named Aha.
- ▶ This is where the Zee merger would have helped it cope with the powerful new partnership between Reliance Jio and Disney Star. Zee has a vast network of channels catering to diverse regional and genrespecific audiences, leading to broader reach. It also has a well-established presence in local content creation, allowing it to cater to specific cultural

## सर्वोच्च मानकों को बनाये रखा है और एक अनुभवी बोर्ड (निदेशकों के) द्वारा निर्देशित है।

- लगातार नकारात्मक समाचार प्रवाह से लड़ने के लिए, जेडईईएल ने 'निवेशकों की संपत्ति के क्षरण को रोकने' के लिए एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र सलाहकार समिति के गठन की घोषणा की है।
- ♦ फंड डॉयवर्जन और लेखांकन अनियमितताओं की सेवी जांच के खिलाफ अपीला 132/24 में सिक्योरिटी अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की गयी श्री सुभाष चंद्रा, अध्यक्ष एमेरिटस की अपील पर 26 फरवरी 2024 को सुनवाई हुई, जिसमें सेवी के वकील ने उन पर चल रही जांच सहयोग न करने का आरोप लगाया और गंभीर मौखिक आरोप लगाये कि वह 'समन और चल रही पूछताछ से वच रहे थे' जिसे चंदा के वकील ने स्वाभाविक रूप से नकार दिया । सेवी को लिखित जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिनों का समय दिया गया है । सुनवाई की अगली तारीख 8 मार्च 2024 है ।

### परस्पर लाभकारी विलय पटरी से उतर गया

 कॉरपीरिट गवर्नेस के मुद्दों के अलावा जेडईईएल पर दवाब डालने के अलावा सोनी की पहुंच जी और डिज्नी स्टार की तुलना में

सीमित है, सोनी का टेलीविजन नेटवर्क अपने प्रतिस्पर्धि यों की तुलना में छोटा है जिससे संभावित रूप से इसकी दर्शकों तक पहुंच सीमित हो सकती है। हालांकि, इसकी गुणवत्ता और नवीनता से जुड़ी एक मजबूत ब्रांड छवि है, जो प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित करती है।

• इसकी अंतरराष्ट्रीय स्टूडियो और प्रोडक्शन हाउस के साथ रणनीतिक साझेदारी है, जो विविध सामग्री तक पहुंच प्रदान करती है।चूंकि सोनी अन्य स्टूडियो से सामग्री प्राप्त करने पर बहुत अधिक निर्भर है, इसलिए यह विशिष्ट दर्शकों की प्राथमिकताओं को पूरा करने में कम लचीला है।

- ◆ 26 फरवरी 2024 को सोनी ने इस वात से इंकार किया कि वह 'अहा' नामक दक्षिण भारतीय क्षेत्रीय ओटीटी प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करने के लिए वातचीत कर रही हैं।
- यहां पर जी के विलय से उसे रिलायंस जियो और डिज्नी स्टार के बीच शक्तिशाली नयी साझेदारी से निपटाने में मदद मिलेगी।जी के पास विविध क्षेत्रीय और शैली विशिष्ट दर्शकों के लिए चैनलों का विशाल नेटवर्क हैं, जससे इसकी पहुंच व्यापक हो गयी है।स्थानीय सामग्री निर्माण ने भी इसकी अच्छी तरह से स्थापित उपस्थिति है, जो इसे विशिष्ट सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को पूरा

preferences and build stronger connections with its audience.

#### WHY DID SONY DEVELOP COLD FEET?

- ◆ There is speculation whether Sony developed cold feet with the challenges of the fast-developing Reliance Jio/ Disney Star merger;
- ◆ The ever-changing media scenario wherein legacy TV is faltering but streaming is struggling to be profitable;
- ◆ ZEEL's poor operational and financial performance (as evidenced in the Quarter 3 financial results for December 31, 2023);
- ◆ Or whether there were other unspecified "closure obligations" that ZEEL allegedly failed to fulfil.
- While legal and regulatory battles will continue, the grand merger has spectacularly fizzled out, bringing much joy and heft to the looming Reliance Jio-Disney Star merger.
- ◆ This writer can only speculate whether the "can do" entrepreneurial risk-taking style of management of the Essel Goenka group clashed with the rule-bound Japanese management style of the Sony Group.
- ◆ Only time will tell whether this was a case of clashing egos or was doomed to fail.

## B. DISNEY STAR JIO MERGER CAN CARTELISE INDIAN MEDIA

◆ The projected **Reliance-Disney Star Star merger** 

is poised to shake up and remodel the Indian entertainment landscape in 2024. As per media reports on February 26, 2024, Reliance Jio Industries Limited (RIL) and Walt Disney Star Co. have



करने और अपने दर्शकों के साथ मजबूत संबंध बनाने की अनुमति देता है।

#### सोनी को अपने पैर वापस क्यों खींचना पड़ा?

- ऐसी अटकलें हैं कि क्या सोनी ने तेजी से विकसित हो रहे रिलायंस जियो/डिज्नी स्टार विलय की चुनौतियों के प्रति उदासीनता बरती हैं।
- लगातार वदलते मीडिया परिदृश्य में जहां विरासती टीवी लड़खड़ा रहा है लेकिन स्ट्रीमिंग लाभदायक होने के लिए संघर्ष कर रही हैं।
- जेडईईएल का खराव परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन (जैसािक 31 दिसंवर 2023 की तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों से पता चलता है)
- या क्या अन्य विशिष्ट 'बंद दियत्व' थे जिन्हें जेडईईएल कथित तौर पर पूरा करने में विफल रहा।
- जबिक कानूनी और विनियामक लड़ाई जारी रहेगी, भव्य विलय शानदार ढंग से विफल हो गया है, जिससे आसन्न रिलायंस जियो-डिज्नी स्टार विलय में बहुत खुशी और उत्साह आया है।
- यह लेखक केवल अनुमान लगा सकता है कि क्या एस्सेल, गोयनका समूह के प्रबंधन की उद्यमशीलता जोखिम लेनी की शैली सोनी समूह की नियम बाध्य जापानी प्रबंधन शैली से टकरा गरी।
- केवल समय ही बतायेगा कि यह अहंकार के टकराव का मामला था या असफल रहने के लिए अभिशप्त था।

## बी. डिज्नी-स्टार जियो के विलय से भारतीय मीडिया में गुटबंदी हो सकती है

 अनुमानित रिलायंस डिज्नी स्टार के स्टार विलय 2024 में भारतीय मनोरंजन परिदृश्य को हिलाकर रख देने और नया स्वरूप



देने को तैयार है। 26 फरवरी
2024 को मीडिया रिपोर्टी के अनुसार
रिलायंस जियो इंडस्ट्रीज
लिमिटेड (आरआईएल) और
वॉल्ट डिज्नी स्टार कंपनी ने भारत
में अपने मीडिया परिचालन के विलय
के लिए एक बाध्यकारी समझौते
पर हस्ताक्षर किये हैं।

- signed a binding pact to merge their media operations in India.
- Reliance Jio will have a 61% stake, and Disney Star will own about 33% of the merged entity. Mr James Murdoch and Mr Uday Shankar's Bodhi Tree Systems will hold 6%. The former CEO/MD of Star India, Mr Uday Shankar, will logically head the new entity.
- As per media reports, **Reliance** will hold a majority stake of over 54 %, Disney about 37 %, and Bodhi Tree the balance of 9 %. Mrs Nita Ambani of Reliance will be the Chairman, and Mr Udav Shankar of Bodhi Tree will be the Vice Chairman. For **Mr Uday Shankar**, this is a triumphant return to active media management after he left **Disney** Star in December 2020. Disney has informed the Securities Exchange Commission USA of a non-

Industries Limited

cash impairment charge between \$ 1.8 billion and \$ 2.4 billion.

- The new entity will have Viacom 18's 38 TV channels in eight languages: Jio Cinema OTT and Viacom 18 studios. Disney will provide 70 TV channels, Disnev+ Hotstar, and a film studio.
- The combined entity is anticipated to be valued at as much as \$10-11 billion. Disney Star's India assets are reportedly valued at around 4 to \$4.5 billion, much less than the \$10 billion previously projected by Disney Star.
- Reliance Jio and Disney Star Star are looking to invest **over \$1.5 billion** into the deal, under which Ambani's firm will gain distribution control of Star India's channels.
- The combined entity will immensely benefit from **Disney Star's** substantial library of branded global content like Disney Star Classics; Pixar; Marvel; Star Wars, National Geographic; The Muppets;

- रिलायंस जियो कि 61% हिस्सेदारी होगी और डिज्नी स्टार के पास विलय की गयी इकाई का लगभग 33% हिस्सा होगा । श्री जेम्स मरडोक और श्री उदय शंकर की बोधि **टी सिस्टमस** में **6%** हिस्सेदारी होगी।स्टार इंडिया के पूर्व सीईओ / एमडी श्री उदय शंकर तार्किक रूप से नयी इकाई के प्रमुख होंगे।
- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस के पास 54% से अधिक बहुमत हिस्सेदारी होगी, डिज्नी के पास लगभग 37% और बोधि ट्री के पास 9% की शेष हिस्सेदारी होगी।रिलायंस की श्रीमती नीता अंबानी अध्यक्ष होंगी और बोधि ट्री के श्री उदय शंकर उपाध्यक्ष होंगे।श्री उदय शंकर के लिए दिसंबर 2020 में डिज्नी स्टार छोडने के बाद सक्रिय मीडिया प्रबंधन में यह एक विजयी वापसी है। डिज्नी ने सिक्योरिटीज एक्सचें ज कमीशन यूएसए को 1.8 बिलियन और
  - 2.4 बिलियन के बीच गैर नकदी हाानि के बारे में सचित किया है।
  - नयी इकाई में 8 भाषाओं में वायाकॉम 18 के 38 टीवी चैनल होंगेः जियो सिनेमा ओटीटी और वायाकॉम 18 स्टिडयो । **डिज्नी 70** टीवी चैनल. **डिज्नी प्लस हॉटस्टार** और एक फिल्म स्टुडियो प्रदान करेगा।



- मंयुक्त इकाई का मृल्य 10-11 अरब डॉलर तक होने का अनुमान है। कथित तौर पर डिज्नी स्टार की भारत की संपत्ति का मूल्य लगभग 4 से 4.5 विलियन डॉलर है, जो डिज्नी स्टार द्वारा पहले अनुमानित 10 विलियन डॉलर से बहत कम है।
- रिलायंस जियो और डिज्नी स्टार स्टार इस सौदे में 1.5 विलियन डॉलर से अधिक का निवेश करना चाह रहे हैं जिसके तहत अंबानी की कंपनी को स्टार इंडिया के चैनलों का वितरण नियंत्रण हासिल होगा।
- ◆ संयुक्त इकाई को **डिज्नी स्टार** की ब्रांडेड वैश्विक सामग्री जैसे डिज्नी स्टार क्लासिक्स की समृद्ध लाइब्रेरी से अत्यधिक लाभ होगा, पिक्सर, चमत्कार, स्टार वार्स, नेशनल ज्योग्राफिक, द मापेट्स, इंडियाना जोन्स और डिज्नी स्टार ऑरिजनल्स

23 SATELLITE & CABLE TV MARCH 2024

Star viacom 18

Indiana Jones, and Disney Star Originals and Reliance's massive distribution reach in the Indian market through legacy distribution through ownership of Hathway and Den and Jio mobile.

- ◆ Reliance Jio Industries is also in talks to acquire a 29.8% stake in Tata Play, a subscription-based satellite TV and video streaming service, from Walt Disney Star. Tata Sons jointly owns Tata Play with a majority stake of 50.2 %, and Temasek holds the balance
- ◆ This move is part of RIL's broader strategy to deepen its presence in India's television distribution sector. By acquiring this stake, Reliance Jio aims to expand its



footprint in the television industry and potentially enhance its streaming platform,

- One key factor which has led to the world's biggest media behemoth, Disney Star, approaching Reliance Jio for a merger has been the failure of Disney Star Star India to obtain the IPL cricket rights for the current period.
- In 2023, Walt Disney reported that the subscriber base for Disnev+Hotstar shrank by 24% from **52.9 million** to **40.4 million**. Disney+ Hotstar had 61.3 million subscribers on September 30, 2022 but lost more than 20 million-or 34.18% of subscribers—since then. Recently, it has regained some new subscribers, but the loss of cricket rights has Disney+Hotstar tremendously.
- ▶ Both Reliance Jio and Disney Star Star India currently hold significant telecast and digital rights for major cricket tournaments. Together, they control cricket rights worth nearly Rs.55,000 crores for the next 4-to five years. These include the Indian Premier League (IPL), International Cricket Council (ICC) rights for men's and

- और **रिलायंस** का विशाल वितरण **हैथवे** और **डेन** और जियो मोबाइल के स्वामित्व के माध्यम से विरासत वितरण के माध्यम से भारतीय बाजार में पहुंचता है।
- ◆ रिलायंस जियो इंडस्ट्रीज वॉल्ड डिज्नी स्टार की सदस्यता आधारित सैटेलाइट टीवी और वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा टाटा प्ले में 29.8% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भी बातचीत कर रही है।टाटासंस संयुक्त रूप से 50.2% की बहुमत हिस्सेदारी के साथ टाटाप्ले का मालिक है और टेमासेक के पास शेष



◆ यह कदम भारत के टेलीविजन वितरण क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को गहरा करने की **आरआईएल** की व्यापक रणनीति का हिस्सा है | इस हिस्सेदारी को हासिल करके रिलायंस जियो का लक्ष्य

टेलीविजन उद्योग में अपने पदचिन्ह का विस्तार करना है और संभावित रूप से अपने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को बढ़ाना है।

 एक प्रमुख कारक जिसके कारण दुनिया की सबसे बड़ी मीडिया दिग्गज डिज्नी स्टार ने विलय के लिए रिलायंस जियो से संपर्क किया है, वह वर्तमान अविध के लिए आईपीएल क्रिकेट

> अधिकार प्राप्त करने में डिज्नी स्टार इंडिया स्टार इंडिया की विफलता रही है।

- ◆ 2023 में वॉल्ट डिज्नी ने बताया कि डिज्नी-हॉटस्टार का ग्राहक आधार 24% घटकार 52.9 मिलियन से 40.4 मिलियन रह गया है | 30 सितंबर 2022 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार के 61.3 मिलियन ग्राहक थे, लेकिन उसके बाद से 20 मिलियन से अधिक या 34.18% ग्राहक खो दिये हैं | हालही में इसने कुछ नये ग्राहक वापस पा लिये हैं, लेकिन क्रिकेट अधिकार खोने से डिज्नी प्लस हॉटस्टार को
- बहुत नुकसान हुआ है।
- रिलायंस जियो और डिज्जी स्टार स्टार इंडिया दोनों के पास वर्तमान में प्रमुख क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए महत्वपूर्ण प्रसारण और डिजिटल अधिकार है।साथ में वे अगले 4 से 5 वर्षों के लिए लगभग 55000 करोड़ रुपये के क्रिकेट अधिकारों को नियंति करते हैं।इनमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), पुरूषों

women's global events, and India's bilateral matches across formats.

♦ When Reliance Jio takes over the Star India business, it will have a monopoly with 80-90% rights to cricketing events. The merger will reshape the way cricket content is distributed and consumed,

the way cricket content is distributed and consumed, leading to higher advertisement revenue being charged from advertisers as a near monopoly will come into existence.

◆ Together, they would create a formidable force in the digital entertainment landscape, challenging global players and shaping the industry's future.



और महिलाओं के वैश्विक आयोजनों और सभी प्रारूपों में भारत के द्विपक्षीय मैचों के लिए **अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद** (आईसीसी) के अधिकार शामिल हैं।

> → जब रिलायंस जियो स्टार इंडिया के कारोबार पर कब्जा कर लेगा, तो क्रिकेट आयोजनों पर 80-90% अधिकारों के साथ उसका एकाधिकार हो जायेगा | विलय से क्रिकेट सामग्री के वितरण और उपभोग के तरीके को नया आकार मिलेगा, जिससे विज्ञापनदाताओं से अधिक विज्ञापन राजस्व वसूला जायेगा, क्योंकि लगभग एकाधिकार आस्तित्व में आ जायेगा |

 साथ में वे डिजिटल मनोरंजन परिदृश्य में एक जबरदस्त ताकत बन जायेंगे, वैश्विक खिलाड़ियों को चुनौती देंगे और उद्योग के भविष्य को आकार देंगे।

#### COMMENT

#### **BENEFITS OF MERGER**

- ♦ While Reliance Jio will be the controlling party in the merger, Disney Star will benefit significantly through the deal. Disney Star can leverage Jio's local expertise to tailor its content for the Indian market. Customised content, language options, and regional adaptations will enhance Disney Star's appeal to Indian viewers. Jio's deep penetration in India could significantly expand Disney Star's reach in the crucial Indian market, especially in Tier 2 and 3 cities.
- ◆ Partnering with a globally recognised brand like Disney Star will enhance Reliance Jio's prestige and visibility, potentially opening up new markets and customer segments.
- ◆ Disney Star's experience in streaming technologies and digital content distribution could provide Reliance Jio with advanced capabilities, enhancing user experience and service delivery on its platforms.
- ◆ Combining Reliance Jio's vast user data and Disney Star's content creation expertise could enable more targeted and personalised offerings for subscribers as the world moves to marry generative AI with traditional creative content and virtual reality becomes more popular.

#### टिप्पणी

#### विलय के लाभ

- ♦ हालांकि, रिलायंस जियो विलय में नियंत्रक पक्ष होगा, डील से डिज्नी स्टार को काफी फायदा होगा | डिज्नी स्टार भारतीय बाजार के लिए अपनी सामग्री तैयार करने के लिए जियो की स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है | अनुकूलित सामग्री, भाषा विकल्प और क्षेत्रीय अनुकूलन भारतीय दर्शकों के लिए डिज्नी स्टार की अपील को बढ़ायेंगे | भारत में जियो की गहरी पैठ महत्वपूर्ण भारतीय बाजार, विशेषकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में डिज्नी स्टार की पहुंच का काफी विस्तार कर सकती है |
- ♦ डिज्नी स्टार जैसे विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त ब्रांड के साथ साझेदारी से रिलायंस जियो की प्रतिष्ठता और दृश्यता बढेगी, संभावित रूप से नये बाजार और ग्राहक खंड खुलेंगे।
- स्ट्रीमिंग प्रौद्योगिकियों और डिजिटल सामग्री वितरण में डिज्नी स्टार का अनुभव रिलायंस जियो को उन्नत क्षमतायें प्रदान कर सकता है, जिससे उसके प्लेटफॉर्मो पर उपयोगकर्ता अनुभव और सेवा वितरण में वृद्धि हो सकती है।
- रिलायंस जियो के विशाल उपयोगकर्ता डेटा और डिज्नी स्टार की सामग्री निर्माण विशेषज्ञता के संयोजन से ग्राहकों के लिए अधिक लक्षित और वैयक्तिकृत पेशकश सक्षम हो सकती है क्योंकि दुनिया पारंपरिक रचनात्मक सामग्री के साथ जेनरिक एआई से शादी करने की ओर बढ़ रही है और आभासी वास्तविकता अधिक लोकप्रिय हो गयी है।

- ◆ However, the merger might impact subscription pricing. A dominant player could potentially raise subscription fees. TRAI would need to be more proactive to avoid predatory pricing.
- ◆ Advertisements could become more expensive due to increased reach and control over content.
- ♦ Viewers may have to face a trade-off between quality content and affordability.

#### **CARTELISATION FEARS**

- ◆ A looming fear in independent analysts is the possible cartelisation of the vibrant Indian media scenario by this merger. The combined entity will dominate the Indian media and entertainment industry, potentially creating competition challenges that should typically attract the attention of the Competition Commission of India, TRAI, and MIB.
- ◆ Pankaj Krishna, CEO of Chrome Data Analytics and Media, is quoted as fearing "This move could raise concerns about the consolidation of content and distribution power, potentially leading towards a scenario of content monopoly. Such developments highlight the need for careful

monitoring and regulatory oversight to ensure fair competition and consumer choice in the media and entertainment industry."

♦ Karan Taurani of Elara Capital disagrees: "We are moving into a scenario where the distribution clout will favour Reliance- at one end, they have

the distribution clout will favour Reliance- at one end, they have smartphones, and at another end, they have wire broadband and air

fibre. They have a small or big presence in these distribution spaces; that is how they want to scale up. IPL, they have premium content, and Jio is the platform.

Eventually, they need to explore the suite of Tata Play as an aggregator; they have MSOs and their Telecom. No part of the distribution ecosystem is untouched, and that's how Reliance Jio is trying to make inroads in each of these segments."

♦ Vivek Gupta, MD- Research at Ipsos India, says

- ♠ हलांकि, विलय से सदस्यता मूल्य निर्धारण पर असर पड़ सकता है । एक प्रमुख खिलाड़ी संभावित रूप से सदस्यता शुल्क बढ़ा सकता है । मनमाने मूल्य निर्धारण से बचने के लिए ट्राई को अधिक सिक्रय होने की आवश्यकता है ।
- सामग्री पर पहुंच और नियंत्रण बढ़ने के कारण विज्ञापन अधिक महंगे हो सकते हैं।
- दर्शकों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री और सार्मथ्य के बीच व्यापार विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

#### गृटबंदी का डर

- ◆ स्वतंत्र विश्लेषकों में एक डर यह है कि इस विलय से जीवंत भारतीय मीडिया परिदृश्य में संभावित गुटबंदी हो सकती है । संयुक्त इकाई भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग पर हावी हो जायेगी जिससे संभावित रूप से प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियां पैदा होगी, जिस पर आमतौर पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, ट्राई और एमआईवी का ध्यान आकर्षित होना चाहिए ।
- क्रोम डेटा एनालिटिक्स और मीडिया के सीईओ पंकज कृष्णा को यह कहते हुए उदृत किया गया है कि 'यह कदम सामग्री और वितरण शक्ति के एकीकरण के बारे में

चिंतायें बढ़ा सकता है, जो संभावित रूप से सामग्री एकाधिकार के परिदृश्य की ओर ले जा सकता है। इस तरह के घटनाक्रम मीडिया और मनोरंजन उद्योग में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता की पसंद सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निगरानी और नियामक

निरीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

♦ एलारा कैपिटल के करण तौरानी असहमत हैंं 'हम एक ऐसे परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं जहां वितरण का दबदबा रिलायंस के पक्ष में होगा, एक छोर पर उनके पास स्मार्ट

> फोन है, और दूसरे छोर पर उनके पास वायर ब्रॉडबैंड और एयर फाइबर है।इन वितरण स्थानों में उनकी छोटी या बड़ी उपस्थिति है, इसी तरह वे आगे बढ़ना चाहते हैं।आईपीएल

उनके पास प्रीमियर सामग्री है और जियो प्लेटफॉर्म है।' आखिरकार उन्हें एक एग्रीगेटर के रूप में टाटा प्ले के सुइट का पता लगाने की जरूरत है, उनके पास एमएसओ और उनका टेलीकॉम है। वितरण पारिस्थितिकी तंत्र का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं है और इसी तरह से रिलायंस जियो इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में पैठ बनाने की कोशिश कर रहा है।

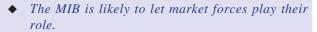
इप्सोस मीडिया के एमडी-रिसर्च विवेक गुप्ता का कहना
 है कि मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में रिलायंस इंडस्ट्रीज

The manoeuvres undertaken by Reliance Jio Industries in the media and entertainment sector

signal a strategic and calculated effort to consolidate influence. The aim to retain a majority shareholding in the merged entity raises red flags regarding content diversity, competition, and consumer choice. A dominant player with extensive control over various channels and platforms may shape the narrative and limit alternatives for the audience.

The Competition Commission of India has powers of suo moto investigation through its Director General Investigation. This has been done infrequently in the case of media but did happen in other industries. It is the guardian of fair practices and equitable business practices.





This writer does not expect any real regulatory challenges to the impending merger. However, it would be prudent for Reliance Jio and Disney Star to approach CCI for formal approval, as Zee and Sony did. Will they do so? Only time will tell.

द्वारा किये पैतरेबाजी प्रभाव को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक और गणनात्मक प्रयास का संकेत देती है। विलय की गयी इकाई में बहुसंख्यक हिस्सेदार बनाये रखने का उद्देश्य सामग्री विविधता, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता की पसंद के संबंध में लाल झंडे उठाता है। विभिन्न चैनलों और प्लेटफॉर्मो पर व्यापक नियंत्रण वाला एक प्रमुख खिलाड़ी कथा को आकार दे सकता है और दर्शकों के लिए विकल्पों को सीमित

कर सकता है।



Competition Commission of India

lpsos

 भारतीय पतिस्पर्धा आयोग के पास अपने महानिदेशक जांच के माध्यम से स्वतः जांच की शक्तियां हैं। मीडिया के मामले में ऐसा कभी कभार ही किया गया है लेकिन अन्य उद्योगों में ऐसा हुआ है।यह निष्पक्ष पृथाओं और न्यायसंगत व्यावसायिक पृथाओं का संरक्षक

2009 में ट्राई ने सिफारिश की थी कि 'हॉरिजांटल और वर्टिकल एकीकरण के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों

> पर काम करने के बाद. मीडिया एकाग्रता और महत्वपूर्ण मीडिया शक्ति के निर्माण से बचने के लिए मीडिया क्षेत्र के लिए विलय और अधिगृहण दिशानिर्देश जारी किये जाने चाहिए।

- ★ संभावना है कि एमआईबी बाजार शक्तियों को अपनी भिमका निभाने देगा।
- इस लेखक को आसन्न विलय के लिए किसी वास्तविक नियामक चुनौती की उम्मीद नहीं है। हालांकि, रिलायंस जियो और डिज्नी स्टार के लिए यह समझदारी होगी कि वे औपचारिक मंजरी के लिए सीसीआई से संपर्क करें, जैसाकि जी और सोनी ने किया था। क्या वे ऐसा करेंगे?केवल समय बतायेगा?





Telecom Regulatory Authority of India



**MAGAZINE** 

27

... You Know What You are doing **But Nobody Else Does** 

Contact: Mob.: +91-9108208956

Tel.: +91-22-6216 5313

Email: geeta.lalwani@nm-india.com